An official Quarterly Magazine of BVICAM, New Delhi



Viksit Bharat @2047



Future





Sponsored by Northern Regional Centre Indian Council of

Social Science Research (ICSSR)

Dept. of Journalism and Mass Communication Bharati Vidyapeeth's Institute of Computer Applications & Management (BVICAM), New Delhi MCA | BA(JMC)



SSR Conference

13th - 14th September, 2024 | BVICAM, New Delhi

India Towards Viksit Bharat @

Technically Sponsored by

























Co-Convener

Dr. Ritika Malik

Assistant Professor BVIMR, New Delhi - 63 Mob: +91 - 9650757675

E-Mail: ritika.malik@bharatividyapeeth.edu

Convener

Dr. Sheel Nidhi Associate Professor BVICAM, New Delhi - 63

Mob. +91 - 97289873111 E-Mail: sheet night@bvicam.in

Chief Convener

Prof. M. N. Hoda

Director, BVICAM, New Delhi Tel.: +91-11-25275055, +91-9212022066 (Mobile). E-Mail: mca@bvicam.ac.in

CALL FOR PAPERS

About the Conference

As India moves closer to its 2047 aim of being a Developed Nation, the "Viksit Bharat" vision is a comprehensive plan, which includes all possible dimensions of sustainable growth like social, cultural, educational, economical, technological, etc. The role of Higher Education Institutions (HEIs) in India is pivotal in achieving the "Viksit Bharat" vision, especially acting as incubators of knowledge, innovation, and skilled human capital.

The two day ICSSR Conference on 'India Towards Viksit Bharat @ 2047' aims to address all such possible challenges by bringing together key stakeholders from academia, industry, government, and civil society on a common platform to establish a forum for thoughtful discussions, collaborative problem-solving, and strategic planning. Original research papers in multi-disciplinary areas on the following themes, but not limited to, leading to Viksit Bharat, are invited for presentation during the conference and subsequently for publication in UGC- CARE Listed Journals.

Sub-Themes

- Building sustainable Ecosystem for achieving Sustainable Development Goals (SDGs)
- Higher Education Policy Reforms
- Industry 4.0, Digital Revolution and Technological Innovations
- All for Everyday Life
- Technology Enablement for Providing Urban opportunities in Rural Areas (PURA)
- Quality Agriculture and Food Processing System
- Developing better Healthcare Services.
- Citizen-centered e-Governance
- Indian Cultural Diversity Preservation

Important Dates

SUBMIT NOW

Submission of Full Paper 05th Aug, 2024 Paper Acceptance Notification 26th Aug, 2024 Submission of Final Version of Paper 02° 5ep, 2024 02"" Sep, 2024 Registration Deadline (Early Bird)

Registration Fee

Category	Early Sird on or before 02" Sep. 2024	02" Sep, 2024
Industry Professionals	5000.00	6000.00
Teachers / Research Scholars	3000.00	4000.00
Non-Author Delegates	1000.00	1500.00

Write to us for queries

BVICAM, A-4, Paschim Vihar, New Delhi - 110063 (INDIA) conference@bvicam.in Email: https://bylcam.ac.in/ViksitBharat2024 Conference website:















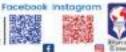


Voutube













Website: Facebook Instagram Linkedin Youtube











EDITOR-IN-CHIEF

Prof. M. N. Hoda

Director BVICAM, New Delhi

EDITOR

Dr. Sheel Nidhi Tripathi

Associate Professor Department of JMC BVICAM, New Delhi

EDITORIAL TEAM

Dr. Avneet Kaur

Associate Professor Department of JMC BVICAM, New Delhi

Mr. Pushpendra Sachan

Assistant Professor Department of JMC BVICAM, New Delhi

Mr. Shubham Mishra

Assistant Professor Department of JMC BVICAM, New Delhi

RESEARCH TEAM

Dr. Rakhee

Assistant Professor Department of JMC BVICAM, New Delhi

Dr. Saumya

Assistant Professor Department of JMC BVICAM, New Delhi

E-MAGAZINE





Other Stories

Page No.

08
10
12
14
18
20
21



Editorial

Dear Readers,

As we stand on the threshold of another Independence Day, it is with immense pride and gratitude that we extend our warmest wishes to you on this 78th anniversary of our nation's freedom.

In this special issue, we dedicate our pages to the grand vision of Viksit Bharat 2047 a vision that aims to transform our beloved nation into a developed, empowered, and resilient India by the time we celebrate the centenary of our independence. This vision is not just a governmental ambition but a collective dream that requires the active participation of every citizen. It is a call to action for each of us to contribute to the nation's growth and prosperity, ensuring that India not only meets but exceeds the expectations set before it.

As you turn the pages of this magazine, you will find insights, ideas, and inspiration from thought leaders, innovators, and change-makers who are already paving the way toward this shared goal. From economic empowerment and technological advancements to social harmony and cultural preservation, this issue explores the multifaceted dimensions of what it means to build a developed India. It is our hope that these stories will ignite a spark within you, motivating you to take steps to the nation's journey toward greatness.

Viksit Bharat 2047 is not just a governmental initiative; it is a vision that belongs to every Indian. Whether you are an entrepreneur, educator, student, or homemaker, there is a role for you to play in this mission. The path to a developed India is not an easy one, but with determination, innovation, and a united effort, we can achieve the extraordinary.

On this Independence Day, as we celebrate the freedom that was hard-won, let us also remember the responsibility that comes with it. Let us resolve to work together, across all walks of life, to build an India that is strong, self-reliant, and a beacon of hope for the world. Our forefathers fought to give us a free India; now, it is our turn to ensure that the India of 2047 is one that future generations will be proud of.

Happy Independence Day to each one of you! Let's contribute our best towards the vision of a Viksit Bharat, and together, let's make our nation truly great.

Warm Regards



Prof. M. N. HodaEditor - in - Chief



विकसित भारत एक उज्ज्वल भविष्य की ओर...

शीलनिधि त्रिपाठी एसोसिएट प्रोफेसर, बीवीआईकैम, नई दिल्ली

विकसित भारत 2047 का सपना एक ऐसा दृष्टिकोण है जो हमारे देश को एक सशक्त, समृद्ध, और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में देखता है। यह केवल आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी, और पर्यावरणीय प्रगति को भी समाहित करता है। आज, जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करने की ओर अग्रसर हैं, यह समय है कि हम अपने भविष्य को लेकर गंभीर विचार करें और इसे हासिल करने के लिए ठोस कदम उठाएं।

इस वर्ष, जब हम अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, यह अवसर हमें याद दिलाता है कि आज़ादी केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। यह वह समय है जब हमें अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण करना चाहिए और यह विचार करना चाहिए कि हम अपने भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में कैसे देख सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस स्वतंत्रता दिवस पर विकसित भारत 2047 के विज़न पर जोर दिया, और इसे देश के हर नागरिक का मिशन बनाने का आह्वान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित करते हुए विकसित भारत के प्रति दृढ़ निश्चयी होने की बात कही। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों के उत्थान और शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की दिशा में सरकार के प्रयासों को उजागर किया। उन्होंने बताया कि कैसे कृषि क्षेत्र में सुधार लाकर किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है और महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समान अवसर प्रदान करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता बढ़ाने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर भी जोर दिया, जिससे देश के हर नागरिक को बेहतर जीवन जीने का अवसर मिल सके। उन्होंने अपने भाषण के अंत में कहा, "हमारा एक ही संकल्प होता है- नेशन फर्स्ट। नेशन फर्स्ट, राष्ट्रहित सुप्रीम, ये मेरा भारत महान बने, इसी संकल्प को लेकर हम कदम उठाते हैं।"

विकसित भारत का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सशक्तिकरण है। आत्मिनर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाएं देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

हमें एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जो न केवल अपने नागरिकों को रोजगार प्रदान करे, बल्कि उन्हें उद्यमिता के लिए भी प्रेरित करे। इसके साथ ही, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच के अंतर को भी पाटना आवश्यक है, ताकि सभी नागरिकों को समान अवसर मिल सकें।

एक विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। सामाजिक और सांस्कृतिक विकास भी उतना







ही महत्वपूर्ण है। देश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता, और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और उसे वैश्विक मंच

पर प्रस्तुत करना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

तकनीकी और वैज्ञानिक उन्नति विकसित भारत की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। आज भारत अंतरिक्ष अनुसंधान, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और अन्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में अग्रणी देशों में से एक बन चुका है। आने वाले वर्षों में हमें इन

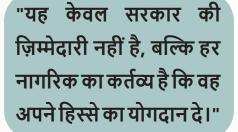
क्षेत्रों में और भी अधिक नवाचार और शोध को प्रोत्साहित करना होगा। इसके अलावा, डिजिटल इंडिया का विस्तार करते हुए हर नागरिक को डिजिटल रूप से साक्षर बनाना आवश्यक है।

विकसित भारत का सपना तभी पूरा हो सकता है जब हम पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखें। जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए हमें नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग बढ़ाना होगा, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता और पर्यावरण की रक्षा को भी हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

विकसित भारत 2047 का सपना एक ऐसा मिशन है जिसे प्राप्त करने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। यह

केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने हिस्से का योगदान दे। यदि हम सभी मिलकर इस दिशा में काम करें, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल एक विकसित राष्ट्र बनेगा, बल्कि एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरेगा।

इस विज़न को पूरा करने के लिए हमें ढ़ढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ना है। सिर्फ सुनहरे भारत का सपना ही नहीं देखना है अपितु भारत को सुनहरा बनाना है। इस स्वतंत्रता दिवस पर, आइए हम सब यह संकल्प लें कि हम अपने देश को एक विकसित, समृद्ध, और सशक्त भारत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। विकसित भारत 2047 का सपना हम सभी का सपना है, और इसे साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। जय हिंद!







क्या है विकसित भारत 2047 ?



Artificial Intelligence can act as a spark for Viksit Bharat 2047 plan

Dr. Arpita Nagpal Assistant Professor, BVICAM, New Delhi

he vision of government to make India a developed country by 2047 can be fulfilled by technological advancements in the field of Artificial intelligence (AI). Due to the vision of government of "digital india", industrial and household application, a lot of data on internet is being generated every day. Digital data is collecting a lot of biometric, demographic details of its residence. This huge amount of existing data can generate new content, image or text, which holds a potential for developed India by 2047. There are many practical applications of AI which are helping in Viksit bharat 2047. Some of

Digiyatra: Helping Aviation sector to have Quick and paperless entries for passengers. It saves time resources.

them are:

Al has created an inclusive learning environment: A lot of online learning platforms are

available. No one is bounded by place where they are living. It helps reducing the population of urban cities, saves their resources. Online learning platform helps students save on living cost. Al can translate educational content in real-time, allowing students who speak different languages to access the same material without language being a barrier. This is especially important in multilingual classrooms or for students learning in a non-native language.

Usage of Al Applications today: One of the applications of AI is ChatGPT. Its overwhelmed usage has given birth to KissanGPT that'supports

> India's agricultural sector by providing essential information underserved farmers. PolicyGPT which educates consumers on health insurance policies, making them easier to understand. GitaGPT that offers spiritual advice based on the Bhagavad Gita. BharatGPT which helps in processesing diverse data types like text, photos, audio, video, and maps.

> > Jugalbandi: An Indian language translation model under the Bhashini mission.

> > > massive skill gap in India: enables continuous evolution n upliftment physical labour workforce,

Al will bridge the

ready to adapt to new industry challenges. Such a workforce, empowered by AI, will enhance productivity,

make India globally



reduce

competitive.

costs.



Various Initiative by government uses AI: Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana is an initiative by the Government of india launched during covid pandemic used AI to better understand beneficiary needs, gather feedback on Fair Price Shops, and assess its performance. The "One Nation One Ration Card" scheme also utilized AI to analyze mobility patterns of migrant workers, ensuring they could access food entitlements across states.

"Irina Ghose, managing director (MD) of Microsoft

The World Economic Forum predicts a 40% increase in AI and machine learning specialist roles by 2027, translating to one million new jobs.

India, highlighted Artificial Intelligence's potential to contribute a staggering 400-500 billion to India's gross domestic product (GDP) by 2025."

"We just need to get our basic primary and secondary education right. We are reasonably far away from being able to produce a fit, healthy and able workforce that will allow us to become Viksit Bharat by 2047. In our development path today, the biggest binding constraint is the human capital of our demographic dividend. Currently, this focus is massively missing," Lamba, an assistant professor of economics at Penn State University, said at the

Business Standard Manthan 2024 in New Delhi.

As the great Greek philosopher Heraclitus has quoted that change is the new constant, history shows that technological advancements create new jobs and demand new skills. The World Economic Forum predicts a 40% increase in Al and machine learning specialist roles by 2027, translating to one million new jobs. To stay relevant, the workforce must upskill and adapt to the evolving job market driven by Al across various industries.

It is expressed by Prime Minister Shri Narendra Modi as well in his Independence Day speech on 15 August 2022 that Artificial Intelligence will help the country to be a developed nation by 2047 and bring prosperity to every citizen of this country. So, it can be concluded that Artificial intelligence can indeed be a catalyst in India's development journey. By improving the efficiency and effectiveness of government initiatives, AI is helping address key challenges and enhancing service delivery across the country.



मेरे सपनों का विकिसित भारत 2047

शुभम मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर, बीवीआईकैम, नई दिल्ली

क देश को विकसित कब कहा जा सकता है? इस सवाल का सटीक जवाब आज भी दुनिया के ज्यादातर वैज्ञानिक तलाश रहे हैं। क्या ज्यादा विनाशक ताकत होना; ऐसी ताकत जिसके सामने कोई आवाज़ उठाने की हिम्मत ना कर पाए या ज्यादा पूंजी होना; जिसको चाहा उसको वैसा दाम देकर खरीद लिया, ही विकसित होना है। यह सवाल हमेशा से मेरे विकसित भारत के सपने

को तोड़ता आया है। ऐसा इसलिए क्योंकि विकसित देशों की पहचान आज के

समय में कुछ ऐसी बनकर रह गई है, जहां जोड़ने से ज्यादा विकासशील शक्तियों का प्रयोग तोड़ने के लिए किया जा रहा है।

विदेश में आपकी पहली पहचान आपका देश है। देश का नाम सुनकर सामने वाला यह तय करता है कि आपसे वह किस तरह से पेश आए। यहां आप विकसित देश

चीन को केंद्र में रखकर सोच सकते हैं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने "हिंदी-चीनी, भाई-भाई" कहा, पर वही भाई अक्साई चीन पर कब्जा कर बैठा। इतना ही नहीं चीन के साथ जिन-जिन देशों की सीमाएं लगती हैं, चीन

आए दिन उनकी जमीनों को अपना बताता रहता है। ज्यादातर देशों को चीन से भय लगता है कि वह हमला ना कर दे। तो ऐसे में क्या पड़ोसी देशों को दबा कर रखना ही विकसित होने की एक कड़ी है। मेरे सपनों का विकसित भारत एक विश्व मित्र की नीति पर अग्रसर दिखाई देता है। जहां पड़ोसी देशों के साथ दुनिया के तमाम देश भारत को अपना हितकारी मानते हैं। जब कोई विदेशी

भारत का नाम सुनता है तो वह मित्रता, अहिंसा

और सत्यता जैसी भावनाओं से भर कर

एक भारतीय को प्रेम से गले लगता है।

यूरोप के ज्यादातर देश जो आज विकसित हैं, उनकी विकसित होने की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। इन्हीं में से महान ब्रिटेन की महानता बस इतनी है कि उन्हें दूसरे देशों के लोगों पर क्रूरता से राज करना और लूट-लूट कर अपने देश को समृद्ध करना आता है। आज की

स्थिति में भारत ने बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों की श्रेणी में इन देशों को पीछे कर दिया है। अब भारत से आगे संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान हैं, जिन्हें 2047 का विकसित भारत जरूर ही पीछे कर देगा। मेरे सपनों का भारत जब विश्व की



सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, तब उसके ऊपर किसी को लूटने या किसी से जबरन छीन कर अपनी अर्थव्यवस्था को खड़ा करने का आरोप नहीं होगा। अपितु देश के 140 करोड़ लोगों के अथक प्रयासों की महक उसमें शामिल होगी।

विश्व का सबसे शक्तिशाली देश संयुक्त राज्य अमेरिका को माना जाता है। लेकिन इस महाबली के ऊपर दुनिया के तमाम देशों को आपस में लड़ाने या तोड़ने का आरोप भी जगजाहिर है। अमेरिका की विदेशी रणनीतियों में आप एक हथियार विक्रेता की महत्वाकांक्षाओं को समझ सकते हैं, जिसे पैसे के आगे इस बात से बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है कि उन हथियारों से कितने ही मासूमों की जान चली जाएगी। मेरे सपनों का विकसित भारत जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश बनेगा तब वह अपनी शक्ति का इस्तेमाल दुनिया को जोड़ने और देशों के बीच आपसी सौहार्द बनाने की रणनीति पर काम करेगा। भारत के उद्देश्य अलग होंगे, जहां सभी देश एक साथ मानव ही नहीं बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विचारधारा के साथ धरा पर निवास कर रहे सभी प्राणियों की सलामती से जुड़े फैसले लेगा।

एक विकासशील देश से विकसित देश होने की राह पर भारत तेज़ी से बढ़ रहा है। हमें देश के आंतरिक मुद्दों और विश्व के तमाम सूचकांक में भी अपनी स्थिति को और मजबूत करने की जरूरत है। मेरे सपनों का विकसित भारत रक्षा क्षेत्र के साथ ही मानव विकास सूचकांक, शिक्षा सूचकांक, वैश्विक प्रसन्नता सूचकांक, प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक, जीवन प्रत्याशा दर, प्राथिमक स्वास्थ्य केंद्र, गरीबी दर आदि पर भी उतना ही ध्यान देगा, तािक देश का विकास सिर्फ कुछ चुनिंदा लोगों के हाथ में न रह जाए और इसका लाभ पंक्ति में खडे हर एक व्यक्ति को मिल सके।

मेरे सपनों का भारत जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश बनेगा तब वह अपनी शक्ति का इस्तेमाल दुनिया को जोड़ने और देशों के बीच आपसी सौहार्द बनाने की रणनीति पर काम करेगा!!

भारत जैसा विविधता से भरा देश पूरी दुनिया में दूसरा नहीं है। इसके लिए जरूरी है कि भारत अपनी नींव से जितना जुड़ा रहेगा उतना ही प्रखर रूप से विश्व मंच पर आगे बढ़ता रहेगा। भारत के पास ऊर्जा क्षेत्र में असीम अवसर होने के साथ ऑटोमोबाइल, स्वास्थ्य बीमा, फार्मेसी आदि क्षेत्रों में भी तेज़ी से प्रगतिशील है। भारत दुनिया की महानतम् संस्कृति वाला देश है, यहां सनातन, इस्लाम, सिख, ईसाई जैसे धर्मों और पंथों में विश्वास रखने वाले लोग, आपसी भाईचारे के साथ सुख-शांति से रहते हैं। ऐसे में भारत नैतिकता के साथ आगे बढ़ने के कठिन मार्ग को ही अपनाए, ताकि एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ भारत वसुधैव कुटुम्बकम्, विश्वमित्र की रणनीति की राह पर जब विकसित हो तो इसकी राह से प्रेरित समग्र विश्व भारत जैसा बनने की होड में लग जाए।



Concept of Viksit Bharat 2047

Adarsh Kumar Singh
Assistant Professor, BVICAM, New Delhi

The "Viksit Bharat 2047" initiative is a visionary plan set forth by Prime Minister Narendra Modi to transform India into a developed nation by the year 2047, commemorating 100 years of independence. This ambitious vision aims to address the multifaceted challenges and opportunities that India faces as it seeks to ascend to the status of a global leader. The concept encompasses a holistic approach to national development, focusing on economic growth, social inclusion, environmental sustainability, and technological development.

Economic Growth and Innovation

Central to the Viksit Bharat 2047 initiative is the aspiration to create a strong and inclusive economy. The vision seeks to boost economic growth by fostering entrepreneurship, encouraging investment, and promoting innovation across various sectors. Initiatives such as "Make in India," "Digital India," and "Startup India" are integral to this strategy, aiming to enhance domestic manufacturing, cultivate a vibrant startup ecosystem, and increase India's share in the global economy.

The initiative also emphasizes the creation of job opportunities and the empowerment of all citizens to participate in the economy. By focusing on skill development and education, the government aims to equip the workforce with the necessary tools to thrive in a rapidly changing global environment.

Infrastructure Development

Viksit Bharat 2047 envisions the development of world class infrastructure as a catalyst for







sustainable growth and improved living standards. The government plans to launch large-scale projects to enhance transportation networks, digital connectivity, and urban infrastructure. Initiatives like the Pradhan Mantri Awas Yojana, Bharatmala, and Smart Cities Mission reflect the commitment to building sustainable, livable cities and enhancing national connectivity.

Social Inclusion and Welfare

A critical aspect of the vision is the emphasis on social inclusion and welfare. The government is committed to ensuring that the benefits of economic growth are equitably distributed across all sections of society. Programs like Ayushman Bharat for healthcare, Beti Bachao Beti Padhao for gender equality, and Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana for financial inclusion are designed to empower marginalized communities and expand social security.

Environmental Sustainability

Environmental sustainability is a cornerstone of Viksit Bharat 2047. The initiative focuses on promoting renewable energy, water conservation, and cleanliness to create a greener and cleaner India. Initiatives such as the Swachh Bharat Abhiyan, Jal Jeevan Mission, and National Solar Mission underscore the government's commitment to building a sustainable future for future generations.

Technological Advancement

Leveraging technology to enhance governance and service delivery is another critical element of the vision. By integrating platforms like Aadhaar and Direct Benefit Transfer (DBT), the government aims to streamline welfare distribution, reduce financial leakages and ensure that assistance reaches the intended beneficiaries.

"Viksit Bharat 2047" initiative represents a comprehensive and forward-looking plan to realize India's potential and establish the country as a global leader. By focusing on economic growth, infrastructure development, social inclusion, environmental sustainability, and technological innovation, India aims to achieve unprecedented progress and prosperity by its centenary of independence.



धर्म और विज्ञान की दृष्टि से चातुर्मास

प्रो. (डॉ.) सरोज व्यास निदेशक, एफ आई एम टी कॉलेज, नई दिल्ली

दिनांक 17 जुलाई 2024 से चातुर्मास आरंभ हो गया है। हिंदू वार्षिक पंचांग के अनुसार चातुर्मास आषाढ़ महीने की देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होता है और इसका समापन कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की प्रबोधिनी (देवउठनी) एकादशी को होता है। सनातन और जैन धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व है। चातुर्मास को केवल चार महीनों की अवधि नहीं समझा जा सकता अपितु यह रहन-सहन, खान-पान और बदलते मौसम में स्वास्थ्य की दृष्टि से दैनिकचर्या में आमूलचूल परिवर्तन का समय है। यदिप वर्षा ऋतु में समस्त जड़-चेतन के मन के भावों को रामचारित मानस के किष्किंधाकाण्ड में वर्षा ऋतु वर्णन की चौपाई "बरषा काल मेघ नभ छाए। गरजत लागत परम सुहाए" में वर्णित किया गया है। तथापि बारिश में पर्यावरण में, भोजन में एवं जल में सुक्ष्म अदृश्य हानिकारक कीटाणुओं की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है। इसलिए धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से चातुर्मास में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए साधना, शुद्ध-सात्विक भोजन, अल्पाहार और व्रत-उपवास का पालन अत्यंत लाभप्रद और आवश्यक समझा गया है।





हिन्दू धर्म में चातुर्मास का महत्व

चातुर्मास अर्थात सावन, भादौ, अश्विन और कार्तिक माह। चातुर्मास के दौरान आषाढ़ के आखिरी दिनों में भगवान वामन और गुरु पूजा (गुरु पूर्णिमा), सावन में शिव आराधना, भाद्रपद में भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव, आश्विन में शारदीय नवरात्रि और कार्तिक माह में दीपावली और भगवान विष्णु के योग निद्रा से उठने के साथ ही कार्तिक माह की देवउठनी एकादशी को तुलसी विवाह का महापर्व मनाया जाता है। इन चार महीनों में किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य जैसे पाणिग्रहण संस्कार, मुंडन, यज्ञोपवित, गृहप्रवेश संस्कार वर्जित होते हैं।





व्रत - उपवास

चातुर्मास के चार महीनों में संत-महात्मा, जैनमुनि और मनीषी अपनी परिव्राजक (सदैव भ्रमण करने वाले सन्यासी) जीवनशैली का परित्याग कर किसी स्थान विशेष पर ठहरकर उपवास, मौन-व्रत, ध्यान-साधना और एकांतवास से अपने तपोनिष्ठ जीवन को उन्नत बनाने का सार्थक प्रयास करते हैं और जनसाधारण को भी व्रत-उपवास करने की प्रेरणा देते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से उपवास मात्र भोजन का परित्याग नहीं है, अपितु उपवास का अर्थ है, निकट वास करना अर्थात परमात्मा (परम्+आत्मा = परमात्मा अर्थात सबसे श्रेष्ठ, जिसमें सब समाहित है) के नजदीक रहना है। भोजन का सर्वाधिक असर हमारे मन पर पड़ता है। मन की चंचलता क्षीण होते ही साधक को परमात्मा का प्रकाश दिखाई देने लगता है। छांदोग्य उपनिषद में मन के निर्माण की प्रक्रिया को समझाते हुए कहा गया है कि मनुष्य द्वारा ग्रहण किया गया अन्न शरीर में तीन भागों में विभाजित हो जाता है। प्रथम अन्न का स्थूल भाग जिससे अपशिष्ट बनता है जो शरीर से मल के रूप में निकल जाता है। द्वितीय अन्न का मध्य भाग जिससे रक्त एवं मांस-मज्जा बन जाता है और अन्न के सूक्ष्म भाग से मन का निर्माण होता है। इसलिए कहा गया है- जैसा खाओ अन्न, वैसा हो मन।



धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी चातुर्मास में परहेज करने और संयम अपनाने का महत्व है। वर्षा ऋतु में सुक्ष्म किटाणुओं (बैक्टीरिया), कीड़े-मकोड़ों, जीव-जंतुओं की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है, इनसे बचने के लिए खाने-पीने में

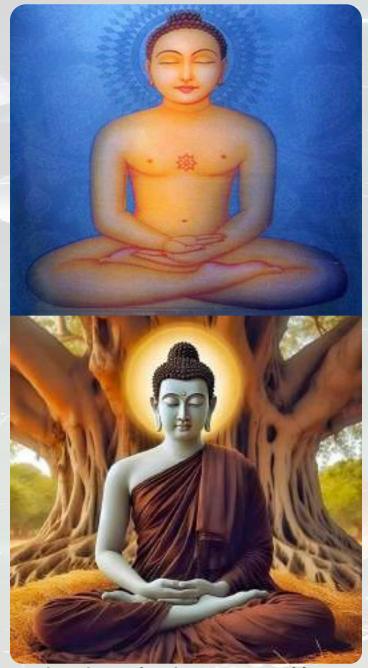
परहेज किया जाता है।

जैन धर्म और बौद्ध धर्म में चातुर्मास का महत्व

जैन और बौद्ध धर्म में भी चातुर्मास का बड़ा ही महत्व है। वैसे तो सभी धर्म अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले हैं लेकिन जैन और बौद्ध धर्म में इसका विशेष पालन किया जाता है। बारिश के मौसम में कई प्रकार के कीड़े, सूक्ष्म जीव सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में अधिक चलने-फिरने से जीव हत्या का पाप लग सकता है और यही वजह है कि साधु-संत एक ही स्थान पर रूकते हैं। वर्तमान समय में पर्यावरण के लिए भी इस सिद्धांत का समर्थन किया जाता है। बारिश के दिनों में कई जीवों का जन्म होता है जैसे - अंडज, पिंडज, स्वेतज, जलचज, थलचर, नवचर आदि। इन जीवों की पैर के तलवे के नीचे पड़ने से मृत्यु हो जाती है, ऐसे में जाने-अनजाने हत्या के पाप से बचने के लिए भी एक स्थान पर रहकर स्वयं को जानना हर प्रकार से अपेक्षित है।

आज से नहीं बल्कि त्रेता, द्वापर और सतयुग से यह प्रथा-परंपरा चली आ रही है। भगवान श्री राम जब भगवती सीता की खोज में निकले थे, उस समय चातुर्मास आरंभ हो गया था। ऐसे में प्रभु श्री राम ने प्रवर्षण पर्वत पर रहकर चातुर्मास व्रत का विधिवत पालन किया तथा अपनी यात्रा को स्थिगत कर दिया और देवउठनी एकादशी के बाद माता की खोज में निकालने से पूर्व भ्राता अनुज लक्ष्मण जी को कहते हैं -

बरषा गत निर्मल रितु आई । सुधि न तात सीता कै पाई । एक बार कैसेहुँ सुधि जानौं । कालुह जीति निमिष महुँ आनौं ||



भावार्थ - वर्षा बीत गई, निर्मल शरद्ऋतु आ गई है, परंतु हे तात! सीता की कोई खबर नहीं मिली। एक बार कैसे भी पता मिल जाए तो काल को जीतकर भी पल भर में जानकी को ले आऊँ।



चातुर्मास और आयुर्वेद का संबंध

कहा जाता है कि चातुर्मास में मांसाहार भोजन, मदिरा, पत्तेदार सब्जियां और दही से परहेज करना चाहिए, लेकिन क्यों इन चीजों का सेवन वर्जित माना गया है? इस सम्बन्ध में आयुर्वेद के अनुसार - चार महीने में मौसम में बदलाव होते हैं। सावन में बारिश होती है, भाद्रपद में आद्रता और नमी, आश्विन में जाती हुई गर्मी और कार्तिक में ठंड के मौसम की शुरुआत होने लगती है। इस दौरान पाचन शक्ति कमजोर रहती है, क्योंकि मौसम में बदलाव के कारण शरीर और आसपास के तापमान में लगातार उतार-चढाव होता है। साथ ही रोग उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया तथा वायरस भी बढ़ने लगते हैं। ऐसे समय में अत्यधिक मसालेदार एवं तामिसक भोजन पचता नहीं है और इससे कई प्रकार के रोग होने का खतरा बढ़ जाता है।





आधुनिकता की दौड़ और वैश्वीकरण के इस युग में हम भारतीय अपनी संस्कृति और संस्कारों से विमुख हो रहे हैं। कारण स्पष्ट है, युवाओं को धार्मिक आचार-विचार, अनुष्ठान और नीति-नियमों का अनुसरण करने में धर्म-भीरुता परिलक्षित होती है। क्योंकि सनातन संस्कृति की आधरशिला धर्म पर रखी हुई है। समय है, आध्यात्म और धर्म में समाहित गूढ़ ज्ञान के वैज्ञानिक पक्ष को तर्कसंगत रखे जाने का। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठयक्रम में प्रत्येक धर्म के धार्मिक पर्वों, नियमों, निर्देशों और पद्धतियों के वैज्ञानिक पक्ष को उजागर किया जाना चाहिए। शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए यह नितांत आवश्यक है अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सनातन संस्कृति आचरण की अपेक्षा चर्चाओं में सिमट कर रह जायेगी।



विश्वगुरु की राह पर अग्रसर भारत

भव्य जुनेजा छात्र, बीवीआईकैम, नई दिल्ली

आज इस बात से हम सब भलीभाँति परिचित हैं, कि भारत अपने पुराने इतिहास और अतीत में हुई त्रासिदयों को भुलाकर एक स्वर्णिम भविष्य की ओर अग्रसर है। हर क्षेत्र में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन यह सिद्ध करता है, कि भारत शीघ्र ही एक शक्तिशाली देश बनने वाला है, पिछले एक दशक में भारत ने इस विश्व के लिए कई अविस्मरणीय योगदान दिए हैं।

भारत की अर्थव्यव्सथा और विश्व में भारत का स्थान, कई देशों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। आज भारत विश्व में अपने सामर्थ्य और सफलता कि छाप छोड़ रहा है। 'विकसित भारत 2047' भारत का अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस योजना का उद्देश्य भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभारकर दुनिया के सामने लाना है। यह योजना भारत

के प्रत्येक नागरिक को एक सुविधाजनक जीवन प्रदान करने है। का दावा करती है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है, कि 2047 इस् तक यह विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। इस की महत्त्वपूर्ण योजना के प्रभाव से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर भी को बदल रही है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य भारत के अव नागरिकों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास दिलाना है, भा और उन्हें भारत की प्रगति में अपना योगदान देने के लिए ला प्रोत्साहित करना है। भारत डिजिटल क्षेत्र में भी निरंतर उन्नति के

कर रहा है, 'विकसित भारत 2047' भारत के उन सभी नागरिको का भरोसा है जिन्हें यह विश्वास है कि भारत विश्व की महान शक्तिओं से प्रतिस्पर्धा करने

का सामर्थ्य रखता है। इस प्रयास का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना है। भारत ने वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण में भी अपनी काबिलियत सिद्ध की है, भारत की स्वास्थ्य नीतियां और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं ने विश्व भर में भारत को एक नई पहचान दिलाई है। इन दावों से भारतवासियों को यह आश्वासन मिला है कि भारत 21वीं सदी पर अपने वर्चस्व की मोहर लगाने में सक्षम

इस अमृत काल में भारत को एक नई दिशा देने के लिए भारत की नारी भी भारत की साथी बन चुकी है। भारतीय नागरिकों को घरेलू उत्पादों के महत्त्व और इसकी आवश्यकता से अवगत कराना इस महान यात्रा का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत में राजनीतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता लाना इस परिवर्तनकारी योजना के प्रमुख पहलू हैं। भारत के मध्यम वर्गीय नागरिकों की आमदनी में वृद्धी सुनिश्चित



करना और उन्हें उनकी आशाएं और अभिलाषाएं पूर्ण करने में सहायता करना इस योजना का महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत के दृष्टिकोण से आने वाले दो दशक भारत की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे। विकसित भारत 2047 का एक महत्वपूर्ण संकल्प एक ऐसे वटवृक्ष की स्थापना करना है जिसकी छाया से देश का कोई नागरिक वंचित ना रहे। भारत के अन्नदाताओं को भी इस अमृत यात्रा में सम्मिलित करना इस योजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

> विदेशी निवेशकों का बड़ी संख्या में भारत की कंपनियों की ओर रुख करना और भारत के आईटी और गैर-आईटी सेक्टरों का

> > वैश्विक स्तर पर

इ स यो ज ना

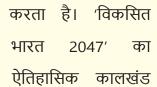
को सफल बनाने की एक महत्वपूर्ण कदम है। 'विकसित भारत 2047' का संकल्प अपने

आप में एक विशेष स्थान रखता है क्योंकि यह भारतवासियों को देश की स्वतंत्रता की शताब्दी और देश की उपलब्धियों का उत्सव मनाने का अवसर एक साथ प्रदान करेगा। यह संकल्प लोगों को यह आश्वासन देता है कि अब ना ही भारत की शाखाएँ कटेंगी और ना ही भारत इस विश्व को कभी उपहास उड़ाने का अवसर प्रदान करेगा।

'विकसित भारत 2047' भारत को विश्व द्वारा दिए गए कष्टों के ताप से निकलकर एक दृढ शक्ति बनने तक का सफर है। भारत से भ्रष्टाचारी नीतियों का अस्तित्व मिटा देना और भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की तीव्रता बढ़ाना इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। 'विकसित भारत 2047' का उद्देश्य भारतवासियों के सर पर मंडरा रहे संघर्षों के काले बादलों का अंत और भारत की धरा पर एक अद्भुत सूर्योदय सुनिश्चित करना है।

यह महान स्वप्न लोगों से असफलता का भय त्यागने और

अपने कर्तव्य की ओर अटूट विश्वास और समर्पण की अपेक्षा



भारत के इस विश्वास को दर्शाता है कि निश्चित समय में भी लंबी छलांग लगाना संभव है। इस यात्रा की पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि भारत आने

वाली प्रत्येक घड़ी को एक अवसर समझकर उसका भरपूर लाभ उठाए। खेल सुविधाओं का विस्तार करना, खेलों के प्रति लोगों के मन में आकर्षण पैदा करना और भारत की खेल प्रतिभा को विश्व स्तर पर लाना भी इस महत्वपूर्ण योजना में शामिल है। निस्संदेह इस महान यात्रा में बाधाएं बहुत होंगी किंतु हमारे इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास इस लक्ष्य प्राप्ति में हमारे सबसे बड़े मित्र सिद्ध होंगे। यह वह क्षण होगा जब हम अपने तिरंगे और इसके वर्चस्व पर गर्व करेंगे।



Viksit Bharat @ 2047: Envisioning India's Future

Harshita Banga Student, BVICAM, New Delhi

As India approaches the centenary of its independence in 2047, the vision of a "Viksit Bharat" (Developed India) is increasingly shaping national discourse. The term encapsulates aspirations for a progressive, economically robust, and socially inclusive nation. This vision is grounded in several core areas: economic development, infrastructure advancement, social equity, and technological innovation.

Economic Development:

The cornerstone of Viksit Bharat is robust economic growth. By 2047, India aims to be a high-income

economy, with a diversified industrial base and a strong global economic presence. This includes fostering a competitive environment, business encouraging innovation, and sustaining high levels of investment in infrastructure and human capital. Infrastructure is very crucial for supporting India's economic ambitions. The vision for 2047 includes modernizing transportation networks. enhancing urban infrastructure,

and ensuring sustainable development. The goal is to create smart cities with efficient public transport systems, reliable utilities, and advanced digital connectivity.

Social Equity and Inclusivity:

Viksit Bharat 2047 is one that upholds social equity and inclusivity. Efforts are directed towards eliminating poverty, reducing inequalities, and ensuring access to quality education and healthcare for all citizens. Social policies focus on empowering marginalized communities,

promoting gender equality, and providing opportunities for skill development. This includes strengthening social safety nets and enhancing the overall quality of life.

Technological Innovation and Digital transformation:

Technology is a significant driver of Viksit Bharat. The vision entails harnessing digital transformation to improve governance, increase transparency, and boost efficiency across various sectors. Advancements in artificial intelligence, data analytics, and digital infrastructure are

expected to revolutionize services, enhance productivity, and create new economic opportunities.

Education and Research:

Investing in education and research is vital for realizing the vision of a developed India. Emphasis is placed on improving educational outcomes, fostering research and innovation, and creating a skilled workforce that can drive future growth. Collaborations between academic institutions, industry, and

government are encouraged to support cuttingedge research and development.

Viksit Bharat 2047 represents a comprehensive blueprint for India's future:

A vision of a nation that is economically advanced, socially inclusive, technologically proficient, and environmentally sustainable. Achieving this vision requires coordinated efforts across various sectors and levels of government. So keeping in mind this vision we will be able to become a new bharat.



Sustainable Cities and Urban Planning

Nupur Dham Student, BVICAM, New Delhi

Imagine a bustling Indian city, where skyscrapers touch the sky, yet pollution is minimal, and residents enjoy a high quality of life. Sounds like a dream, right? Well, it's not just a dream; it's a vision we can achieve through sustainable urban planning. India's rapid urbanization presents both opportunities and challenges. While cities like Delhi, Mumbai, and Bengaluru have witnessed tremendous growth, they also are thrown with issues like traffic congestion, pollution, and inadequate infrastructure. These problems can significantly impact the quality of life for millions of city dwellers.

To create a sustainable future, we must prioritize innovative urban planning solutions. Green infrastructure, like rooftop gardens and urban parks, can not only beautify our cities but also improve air quality and reduce stormwater runoff. Smart cities harness technology to optimize resource management, enhance transportation, and improve public services. For instance, smart traffic systems can reduce congestion, while smart grids can ensure efficient energy distribution. Sustainable transportation is another key component. Encouraging the use of public transport, cycling, and walking can significantly reduce carbon emissions and improve air quality. By investing in well-connected public transport systems and creating pedestrian-friendly zones, we can create cities that are more livable and sustainable.

The benefits of sustainable urban development extend far beyond environmental protection. Imagine living in a city with cleaner air, greener spaces, and better health outcomes. Sustainable cities can also boost the economy by attracting investment and creating jobs. In conclusion,



sustainable cities are not just a luxury; they are a necessity for India's future. By adopting innovative urban planning strategies, addressing the challenges of urbanization, and investing in sustainable infrastructure, we can create cities that are both prosperous and environmentally friendly. Let's work together to build a sustainable India for generations to come.



Voices of BVICAM



Dr. Ritika Wason, Associate Professor

"Women's safety issues in India require immediate attention. Ensuring their safety and empowerment is essential to building a robust and resilient nation."

Dr. Sunil Pratap Singh, Associate Professor

"Farmers are the soul of India. To make India strong in the agricultural sector, we must focus on enhancing the facilities and support provided to our farmers. Their well-being is key to our nation's prosperity."





Dr. Avneet Kaur Bhatia, Associate Professor

"The vision of Viksit Bharat 2047 is not just a governmental agenda; it is a call for collective action. The youth must lead with innovation, women must rise with empowerment, the poor must be uplifted, and our farmers should be honored."

Dr. Jagriti Basera, Assistant Professor

"The four pillars of this vision - Yuva (Youth), Garib (Poor), Mahilayen (Women), and Annadata (Farmers) - are crucial. We must all contribute to making this vision a reality."





Ms. Sakshi Aggarwal, Assistant Professor

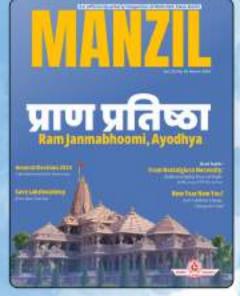
"It is every individual's duty as a citizen to elevate India to heights where we can proudly say, 'sara jahan se achcha Hindustan hamara.'

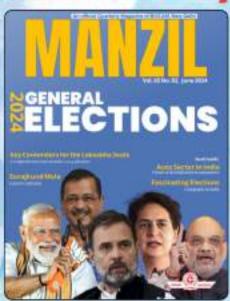
Mr. Pushpendra Sachan, Assistant Professor

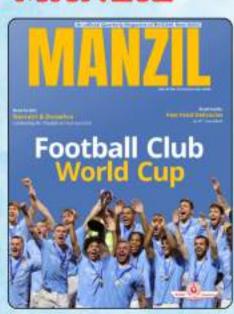
"India is making significant strides, and with continued efforts, we will achieve the vision of Viksit Bharat 2047 soon. The momentum is strong, and the future is promising."



Previous Editions of MANZIL









seksua seksua seksua ait juga anak ait juga nya t 17/2016 muti sikan. Dia muti olisian agar pen olisian agar pen olisian agar pen di 17/2016 saat sito an penyelidikan. sito an penyelidikan. ke an penyelidikan. ke an jaksa bisa memtan sesuai dengan tan sesuai dengan mati

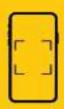
Have a story to share?
This weekly digest covers all that happens in the World of News!







SCAN ME!



To Follow

--- 38

Call For Papers

International Journal of Research in Multidisciplinary Studies (IJRMS)

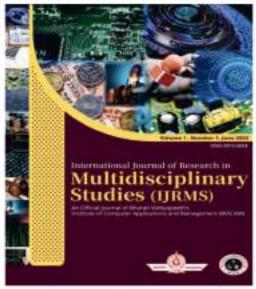
[An official publication of Bharati Vidyapeeth's Institute of Computer Applications and Management (BVICAM), New Delhi] published bi-annually; June and December by the Institution of Media Professionals (IMP), New Delhi

ISSN 0973-5658

Editor-in-Chief: Prof. M. N. Hoda

Journal Home Page: http://bvicam.ac.in/ijrms/

Paper Submission Link: http://bvicam.ac.in/ijrms/loginReqSubmitPaper.asp





Scan the QR Code to open the Homepage of the Journal http://bvicam.ac.in/ijrms/

International Journal of Research in Multidisciplinary Studies (IJRMS), ISSN 0973-5658, is a bi-annual peerreviewed official Research Journal of Bharati Vidypeeth's Institute of Computer Applications and Management (BVICAM), New Delhi, published by the Institution of Media Professionals (IMP), New Delhi. Original manuscripts in the following domains, but not limited to, are welcome:-

Anthropology, Applied Linguistics, Applied Physics, Architecture, Artificial Intelligence, Astronomy, Biological Sciences, Botany, Chemistry, Communication Studies, Computer Sciences, Computing technology, Cultural studies, Design, Earth Sciences, Ecology, Education, Electronics, Energy, Engineering Sciences, Environmental Sciences, Ethics, Ethnicity and Racism Studies, Fisheries, Forestry, Gender Studies, Geography, Health Sciences, History, Interdisciplinary Social Sciences, Labour Studies, Languages and Linguistics, Law, Library Studies, Life sciences, Literature, Logic, Marine Sciences, Materials Engineering, Mathematics, Media Studies, Medical Sciences, Music, Nanotechnology, Nuclear Physics, Optics, Philosophy, Physics, Political Science, Publishing and editing, Religious Studies, Social Work, Sociology, Space Sciences, Statistics, Transportation, Visual and Performing Arts, Zoology and all other subject areas.

Interested authors should submit their online papers, http://bvicam.ac.in/ijrms/loginReqSubmitPaper.asp, in single-column in the template http://bvicam.ac.in/ijrms/Download.asp, available at with IEEE citation style. Unregistered authors should first create an account (Free of http://bvicam.ac.in/ijrms/login.asp to log in and submit paper. Only electronic submissions will be considered. Pl note that there are No Publication Fee. For any other query, pl visit us at http://bvicam.ac.in/ijrms/ or mail us at ijrms@bvicam.in